ओमशान्ति मीडिया

मूल्यनिष्ठ समाज की रचना के लिए समर्पित

वर्ष -24 | अक्टूबर - I - 2022 | अंक - 13 | माउण्ट आबू | Rs.-10

महासम्मेलन • दया एवं करुणा के लिए आध्यात्मिक सशक्तिकरण थीम के तहत चार दिवसीय राष्ट्रीय मीडिया महासम्मेलन

मीडिया समस्या के साथ उचित समाधान भी सुझाए

सम्मेलन के दौरान विभिन्न कार्यशालाएं, संगोष्ठी एवं टॉक शो का भी आयोजन किया गया। सभी ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते हुए अपने-अपने विचार रखे एवं श्रेष्ठ संकल्प भी लिये •••

शांतिवन-आबू रोड। ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान के मीडिया विंग द्वारा शांतिवन में 'समाधानपरक पत्रकारिता से समृद्ध भारत की ओर' विषय पर आयोजित चार दिवसीय 26वें राष्ट्रीय मीडिया महासम्मेलन का सिरोही के प्रभारी मंत्री एवं राजस्थान विधानसभा के उप मुख्य सचेतक महेंद्र चौधरी, आईआईएमसी दिल्ली के महानिदेशक प्रो. संजय द्विवेदी, मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी एवं अंतर्राष्ट्रीय मोटिवेशनल स्पीकर ब्र.कु. शिवानी बहन सहित अन्य वक्ताओं ने दीप प्रज्वलित कर विधिवत शुभारंभ किया। देशभर से आये 1500 से अधिक मीडियाकर्मियों को सम्बोधित करते हुए प्रभारी मंत्री महेंद्र चौधरी ने कहा कि पत्रकारों की समाज में बड़ी भूमिका होती है। दुनिया की कोई भी समस्या हो, उसका समाधान ज़रूर होता है। आज समस्या से घिरे समाज में ध्यान बहुत ज़रूरी है। इसमें भी खास मीडियाकर्मियों के लिए ध्यान ज़रूरी है।

यहां आकर शक्ति का अनुभव होता है

माननीय मंत्री ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान में आकर अलौकिक शक्ति का अनुभव होता है। देश में कई संस्थानों में जाना हुआ, कई कार्यक्रमों में भाग लिया लेकिन यहां के पवित्र वातावरण में आकर पवित्रता का अनुभव होता है और मन को शांति मिलती है। वर्ष 1937 में बहुत ही छोटे स्तर पर संस्थान की नींव रखी गई थी और अपनी 86 वर्षों की यात्रा में आज विश्व के 140 देशों में राजयोग मेडिटेशन और अध्यात्म का संदेश दिया जा रहा है।

शब्दों में अपनी ताकत होती है

दिल्ली से आए इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ जर्नलिज़्म एंड न्यू मीडिया स्टडीज़ के डायरेक्टर प्रो. ओमप्रकाश देवल ने कहा कि शब्द की अपनी ताकत होती है। एक पत्रकार के ऊपर निर्भर करता है कि आप शब्दों को किस तरह चुनते हैं और कैसे प्रस्तुत करते हैं। इससे तय होता है कि उस समाचार पत्र का समाज पर क्या इफेक्ट होगा।

गलत सूचनाएं रोकने हेतु मीडिया साक्षरता शिक्षा

आईआईएमसी,दिल्ली के महानिदेशक प्रो. संजय द्विवेदी ने कहा कि समाज को प्रभावित करने के लिए मीडिया एक महत्वपूर्ण माध्यम है। आज 99 फीसदी खबरें सोशल मीडिया से आ रही हैं। आज के माहौल में खबर की सत्यता को परखना एक बहुत बड़ी चुनौती है।

शब्दों, समाचार से समाज को दें सकारात्मक ऊर्जा

अंतर्राष्ट्रीय मोटिवेशनल स्पीकर ब्र.कु. शिवानी बहन ने कहा कि सभी मीडिया के भाई-बहन सबसे पहले स्व परिवर्तन करें। अपनी आंतरिक स्थिति की चेकिंग करें। यदि हमें सारा दिन, 18 घंटे खुशी, संतुष्टता और प्रसन्नता के साथ काम करना है तो रोज़ सुबह आधा घंटा अपनी आत्मा रूपी बैटरी को चार्ज ज़रूर करें।

इस मंच से एक संकल्प लें

पुणे की एसएमएस प्रोडक्शन की डायरेक्टर सुपर्णा गंगवाल ने कहा कि मीडियाकर्मी यहां से सकारात्मक पत्रकारिता को बढ़ावा देने का संकल्प लेकर जाएं।

राजयोगी ब्र.कु. डॉ. गंगाधर 'डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी' की मानद उपाधि से सम्मानित

चेन्नई। राजयोगी ब्र.कु. डॉ. गंगाधर,संपादक,ओम शान्ति मीडिया को साउथवेस्टर्न अमेरिकन यूनिवर्सिटी द्वारा मीडिया एंड कम्यूनिकेशन में डी.लिट की मानद उपाधि से नवाज़ा गया। चेन्नई के रशियन कल्चर सेंटर में हुए दीक्षांत समारोह में साउथवेस्टर्न अमेरिकन यूनिवर्सिटी के जॉन पीटर, पूर्व जज हरिदास,हाईकोर्ट तथा एआईएडीएमके पार्टी के अध्यक्ष डॉ. तमिल मगन हुसैन ने राजयोगी ब्र.कु. डॉ. गंगाधर को मीडिया एंड कम्यूनिकेशन में डी.लिट प्रदान किया। इस अवसर पर तमिल फिल्म अभिनेता अरुलमनी सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

निमित्त-निर्माण भाव से समाज को दिशा दें

मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी ने परमात्मा के घर में देशभर से आये सभी मीडिया के भाई-बहनों का स्वागत करते हुए कहा कि ईश्वरीय और परमात्म संदेश देने के संदेशवाहक सभी मीडिया के भाई-बहनें हैं। निमित्त और निर्माण भाव से समाज को नई दिशा देने की सेवा करते हैं।

दृढ़ संकल्प के साथ आगे बढ़ें

दिल्ली इंडियन मीडिया वेलफेयर एसोसिएशन के राजीव कुमार निशाना ने कहा कि जब आप मूल्यनिष्ठ पत्रकारिता करते हैं तो समस्याएं तो सामने आती हैं लेकिन दृढ़ संकल्प के साथ आगे बढ़ें तो सफलता ज़रूर मिलती है।

जीवन के प्रति रखें सकारात्मक दृष्टिकोण

पटना से आए सीनियर जर्नलिस्ट व ट्रेनर डॉ. राजीव कुमार सिंह ने कहा कि जब तक हमारा जीवन मूल्यनिष्ठ नहीं होगा तब तक हम भारत को स्वर्णयुग नहीं बना सकते हैं।

राजयोग ने बदला मेरा जीवन

अभिनेत्री रीमा सरीन ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज़ के संपर्क में आने के बाद मेरा जीवन बदल गया। मैं रोज़ राजयोग और मुरली फॉलो करती हूँ। आज युवा और मीडिया के लिए सकारात्मक होना बहुत ज़रूरी है।

इन शख्सियतों ने भी रखे विचार

बेंगलुरु से आए एमेरिटस के संस्थापक और पीआरसीआई के एमबी जयराम, रायपुर के केटी यूनिवर्सिटी के पूर्व कुलपति मानसिंह परमार, एयर इंडिया के ऑथर जितेंद्र भार्गव, रेडियो सरगम इंदौर के मैनेजिंग डायरेक्टर आशीष गुप्ता, ब्रह्माकुमारीज़ के कार्यकारी सचिव डॉ. ब्र.कु. मृत्युंजय, अति. मुख्य प्रशासिका न्यूयॉर्क से राजयोगिनी ब्र.कु. मोहिनी दीदी, मीडिया विंग मुम्बई के ज़ोनल कोऑर्डिनेटर ब्र.कु. संजय, कटक से विंग के ज़ोनल कोऑर्डिनेटर ब्र.कु. नथमल, विंग के गुजरात की ज़ोनल कोऑर्डिनेटर ब्र.कु. रंजन बहन, ग्लोबल पीस इनिशिएटिव की निदेशिका ब्र.कु. डॉ. बिन्नी सरीन, हैदराबाद से विंग की नेशनल कोऑर्डिनेटर सरला आनंद, मोटिवेशनल स्पीकर प्रो. ओंकारचंद सहित अन्य वरिष्ठ राजयोगी ब्र.कु. भाई-बहनों एवं मीडिया जगत से जुड़े महानुभावों ने अपने विचार रखे।